



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) 8/20  
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY 21/11

सं. 522] नई दिल्ली, मंगलवार, जुलाई 22, 1989/ भाषण 31, 1911  
No. 522] NEW DELHI, TUESDAY, JULY 22, 1989/SRAVANA 31, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

नागर विभाग और पर्यटन मंत्रालय

प्रधिकरण।

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 1989

पा.या. 659 (म) ---झार्हा वहन प्रधिनियम 1972 (1972 का 69) की घारा 8 की द्वाधारा (2)  
द्वारा प्रबल गतियों का उपयोग करने हुए, केवलीय सरकार एवं द्वारा निरें देती है कि पर्यटन और नागर  
विभाग मंत्रालय की विभाग 30 मार्च, 1973 की केवलीय सरकार की प्रधिकरण संख्या एम.आ. 186 (६)

के ऐसाप्रकार 4 के बांध (८) के उपन्यांश (१) द्वारा परवा-प्रतिस्थापित, नियम 22 के उपनियम (१) के बारे में लिखित परामुक जोड़ दिया जाएगा, भर्तुल :

“परमुक यह कि विशेष भ्रष्टबद्ध द्वारा वाहक और यात्री वायिक को उच्चतर सीमा पर सहज हो सकते हैं”।

[फॉइल संख्या ए.वी. 11012/5/79-ए]

रविंद्र गुप्ता, माध्यम सचिव

**MINISTRY OF CIVIL AVIATION AND TOURISM  
NOTIFICATION**

New Delhi, the 22nd August, 1989

S. O. 659 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 8 of the Carriage by Air Act, 1972 (69 of 1972), the Central Government hereby directs that the following proviso shall be inserted after sub-rule (1) of rule 22 as substituted by sub-clause (i) of Clause (P) of paragraph 4 of the Notification No. S.O. 186 (E), dated 30th March, 1973 of the Central Government in the Ministry of Tourism and Civil Aviation, namely :—

“Provided that by special contract, the carrier and the passenger may agree to a higher limit of liability”.

[F. No. AV. 11012/5/79-A.]  
RAVINDRA GUPTA, Jt. Secy.